सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 174 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 31 जुलाई, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन में झांक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।
-कबीर दास

मेरा नाम कन्हैया है और कृष्ण ने ही... 7 | सड़क से संसद तक इंडिया..इंडिया... 3 | भाजपा ने यूपी को अराजकता में... 2

जिसने बड़ा बवाल होने से बचाया उसी को हटा दिया

बरेली में कांवड़ियों पर लाठीचार्ज मामले में एसएसपी पर गिरी गाज

- » शराब पीकर व हथियार न ले जाने से रोका था कांवड़ियों को
- » लोगों ने सरकार की कार्रवाई को बताया गलत
- » कांवड़ यात्रा के दौरान हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुर्भाग्यपूर्ण है यह। एसएसपी को सिर्फ इसलिये हटा दिया गया क्योंकि वह उन कांवड़ियों को रोक रहे थे जो शराब पीकर हाथ में हथियार लेकर अपना काफिला वहां से निकालना चाहते थे। सत्ता में बैठे लोगों को कप्तान साहब की यह कार्रवाई अखड़ गई और उनका तबादला कर दिया गया। जिले के पुलिस के सबसे बड़ मुखिया एसएसपी को भी इनको रोकने की जगह इनके पैर धोकर उसका पानी पीना चाहिए था, उनके ऊपर पुष्प वर्षा करना चाहिए थी जैसे कुछ दूसरे अफ़सर करते हैं हद हो गई! मतलब कांवड़ियों की शक्ल में गुंडे कुछ भी करेंगे और पुलिस उनको रोक भी नहीं सकती। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को राज्य की पुलिस व्यवस्था में फेरबदल करते हुए 10 जिलों के पुलिस प्रमुखों समेत भारतीय पुलिस सेवा के 14 अधिकारियों का तबादला कर दिया। जिन 10 जिलों के पुलिस प्रमुख बदले गए हैं, उनमें एक नाम की सबसे ज्यादा चर्चा है। वो नाम कोई और नहीं बल्कि बरेली के एसएसपी रहे प्रभाकर चौधरी का है।

दरअसल, बरेली स्थित पुराना शहर के मोहल्ल जोगी नवादा में कांवड़ यात्रा के दौरान बवाल हुआ था, जिसके चलते पुलिस ने कांवड़ियों पर लाठीचार्ज कर दिया। ऐसा कहा जा रहा है कि इसी घटना को गंभीर मानकर शासन ने प्रभाकर चौधरी का तबादला कर कर दिया, गौरतलब है कि अभी हालिया मार्च के महीने में प्रभाकर चौधरी ने बरेली के एसएसपी का चार्ज संभाला था, फिलहाल, प्रभाकर चौधरी को 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ का कमांडेंट बनाया गया है।

ईमानदार छवि के हैं आईपीएस प्रभाकर चौधरी

आईपीएस प्रभाकर चौधरी का एक बार फिर ट्रांसफर कर दिया गया है। अपने कार्यों और ईमानदार छवि के लिए पुलिस प्रशासन में प्रभाकर चौधरी की अलग पहचान है। बरेली में उनका पदस्थापन करीब साढ़े चार माह पहले हुआ था। तबादला आदेश जारी होने को लेकर चर्चा का बाजार गरमाया हुआ है। एसएसपी से सेनानायक बनाए जाने को लेकर भी चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि उनके कद को छोटा कर दिया गया है। प्रभाकर चौधरी की जगह सीतापुर के एसपी सुशील चंद्रभान धुले को बरेली का नया एसएसपी बनाया गया है। प्रभाकर चौधरी 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वे अंबेडकरनगर जिले के रहने वाले हैं। उनके पिता का नाम पारस नाथ चौधरी है। प्रभाकर चौधरी ने अपने पहले ही प्रयास में सिविल सर्विसेज की परीक्षा में सफलता हासिल की। उन्हें आईपीएस के रूप में चुना गया। यूपी कैडर में उन्हें तैनाती दी गई। प्रभाकर चौधरी ने देवरिया, बिजनौर, बलिया, बुलंदशहर और कानपुर देहात में एसपी के पद पर काम किया है। प्रभाकर चौधरी वाराणसी, मुरादाबाद, मेरठ और आगरा में एसएसपी का पदभार संभाल चुके हैं। बरेली के एसएसपी पद पर मार्च में उनका ट्रांसफर हुआ था। उन्होंने तब कहा था कि यह उनका 19वां जिले में तैनाती है। इससे पहले मेरठ के एसएसपी थे, वहां उन्होंने अपना एक साल का कार्यकाल पूरा किया था। अन्य जिलों में प्रभाकर चौधरी सिर्फ छह से सात महीने का ही कार्यकाल पूरा कर पाए।

बरेली को दंगे से बचाया

प्रभाकर चौधरी के ट्रांसफर को लेकर कई प्रकार की बातें कही जा रही हैं। बरेली में कांवड़ियों पर लाठीचार्ज को कुछ लोग कारण बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एसएसपी का बयान कार्रवाई का कारण बना है। कुछ लोग कह रहे हैं कि जिस कप्तान ने बरेली को दंगे से बचाया, उसी पर एक्शन लिया जा रहा है। दरअसल, लाठीचार्ज के बाद एसएसपी ने कहा था कि कांवड़ियों के बीच कुछ गलत लोग नशे में थे। उनके पास अवैध हथियार थे। एसएसपी के इसी बयान को लेकर मीडिया का एक वर्ग ट्रांसफर किए जाने की बात कर रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के कानून व्यवस्था की बात को आधार बनाया जा रहा है।

सादगी के लिए भी मिली पहचान

प्रभाकर चौधरी की सादगी के भी सभी कायल हैं। पुलिसिया महकमें अधिकारी उनके कानपुर देहात एसपी की तैनाती का किस्सा सुनाते हैं। देवरिया से ट्रांसफर के बाद उन्होंने सरकारी गाड़ी नहीं ली। बस पकड़ा और कानपुर देहात पहुंच गए। बस स्टैंड पर उतरे। टेंपो पकड़ा और एसपी आवास पर पहुंच गए। गार्डों ने पूछना शुरू कर दिया, कौन हैं, किनसे मिलना है? जवाब में अपना परिचय दिया तो गार्ड हैरान रह गए। पीठ पर बैग लादे, बिना सुरक्षा या गाड़ी के उन्हें देखकर हर कोई उन्हें हैरत भरी नजरों से देख रहा था। गार्ड जब नहीं माना तो उन्होंने अपना आईडेंटिटी कार्ड दिखाया। इसके बाद बंगले का गेट खोला गया। इसके बाद प्रभाकर चौधरी आवासीय ऑफिस में पहुंचे। स्टेनो के पास जाकर अपना सीयूजी सिम मांग लिया। स्टेनो का वही सवाल था, कौन हैं, सिम क्यों मांग रहे। जवाब में कहा, मैं प्रभाकर चौधरी, नया एसपी। यह सुनते ही पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया था।

महिला श्रद्धालुओं को लगी चोट

बरेली में कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज करके लोगों को मौके से खदेड़ दिया। इस दौरान महिलाओं को भी निशाना बनाया गया। घायल महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें घर में घुसकर पीटा गया। चक महमूद में लाठीचार्ज के बाद गलियों में महिलाओं के समूह भी मौजूद थे। यहां घरों में भी चीख-पुकार मच रही थी। गीता ने अपने शरीर पर लगी चोटें दिखाते हुए बताया कि वह घर पर थीं। घर में घुसकर पुलिसकर्मियों ने उन्हें और उनके पति वेदप्रकाश को पीटा। बगल के घर में रागिनी और उनकी मां सरस्वती शर्मा भी निकलकर आईं। इन लोगों ने पीठ और हाथ पर लगी चोटें दिखाईं। एक महिला का हाथ भी टूट गया है। वह लोग दरवाजे पर खड़ी थीं। उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया गया। उनका घटना से कोई लेना-देना नहीं था। एक युवक ने बताया कि वह बच्चे की दवा लेने जा रहा था। उनकी भी पिटाई की गई। एक कांवड़िये ने कहा कि उनका कसूर इतना है कि वे यात्रा में शामिल थे।

सरकार विरोधी नारे लगाकर सड़क पर दिया धरना

कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे की अनुमति न मिलने पर गुस्साए लोगों ने महिलाओं के साथ सुरेश शर्मा नगर चौराहे पर धरना देकर सरकार विरोधी नारे लगाए। शासन प्रशासन के विरोध में नारेबाजी की। कहा कि वह लोग कोई अपराध नहीं कर रहे हैं। कांवड़ यात्रा निकालकर वह अपने आराध्य भोले शंकर की पूजा नहीं करने जा रहे हैं। उनसे उनका अधिकार छीना जा रहा है। जत्थेदार भी इन लोगों के साथ मौजूद थे। यहां जाम की स्थिति बनी तो करीब आधा घंटा बाद एसपी सिटी इन्हें समझाकर साथ ले गए। देर रात पुलिस ने जोगी नवादा इलाके के एक हिस्ट्रीशीटर और एक धार्मिक संगठन के नेता के साथ ही छह-सात लोगों को पकड़ लिया। बारादरी थाने में वीडियो से फुटेज देखकरं पहचान की जा रही थी।

पुलिस के पास कई वीडियो व फुटेज

पुलिस के पास कई वीडियो व फुटेज हैं, जिनसे आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी करेंगे। बारादरी थाना प्रभारी का कहना था कि जत्थेदारों की भूमिका भी गड़बड़ रही। वह अपने ही लोगों पर नियंत्रण नहीं रख सके। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। कांवड़िये प्रशासन की बात मान रहे थे। इलाके के कुछ लोगों ने जत्थे में घुसकर माहौल बिगाड़ दिया। रविवार सुबह से चल रही रस्साकसी के बीच शाम पांच बजे एसएसपी प्रभाकर चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने पहले सख्ती दिखाते हुए बलपूर्वक हटाया, फिर लाठीचार्ज करना पड़ा। एसएसपी का दावा था कि अराजकतत्वों ने हवाई फायरिंग की, इस कारण लाठीचार्ज करना पड़ा। डीएम शिवाकांत द्विवेदी की मौजूदगी में हुए लाठीचार्ज में कांवड़ियों समेत कुछ महिलाएं भी घायल हुईं।

भाजपा ने यूपी को अराजकता में झोंका : अखिलेश

गुजरात की कंपनियों को लाभ पहुंचाने की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक बार फिर भाजपा पर भड़क गए है उन्होंने कहा है कि भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग कर उत्तर प्रदेश को अराजकता में झोंक दिया है। बुलडोजर का प्रयोग विधि व्यवस्था के लिए चुनौती बन गई है। देशभर में इस बुलडोजर संस्कृति की बदनामी हो रही है। गुजरात की कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए तमाम तरह की साजिशें हो रही हैं। अखिलेश यादव प्रदेश पार्टी कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 का चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा नेताओं पर फर्जी मुकदमें लगाए जा रहे हैं और बदले की भावना से उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कमीशन की सरकार चल रही है। जबसे भाजपा सरकार में आई है, तबसे हर तरफ उत्तर प्रदेश का अपमान हो रहा है। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है। अखिलेश सपा अध्क्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के राज में खुल्लम-खुल्ला लूट जारी है। उन्होंने ट्वीट किया कि सरकार बाकी सब कुछ बेच चुकी है और अब खान-खनन की बारी है। यह बात उन्होंने लोकसभा में लीथियम व अन्य खनिजों के मामले में बिल लाए जाने पर कही है।

प्रयागराज जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

समाजवादी पार्टी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल एक अगस्त को प्रयागराज जाएगा। सपा कहना है कि वर्ष 1952 में पूर्व सांसद मसुरियादीन पासी द्वारा निर्मित दलित छात्रावास और केंद्रीय विश्वविद्यालय के आसपास बने छात्रावासों को पुलिस प्रशासन के जरिये जबरन खाली कराया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल इस मामले में तथ्यों की पड़ताल करने प्रयागराज पहुंचेगा। प्रतिनिधिमंडल पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व विधायक इंद्रजीत सरोज के नेतृत्व में जाएगा।

अन्य राज्यों में सपा लड़ेगी लोकसभा चुनाव

सपा नेतृत्व पश्चिम बंगाल में अपने नेता किरणमय नंदा को लोकसभा चुनाव लड़ाने के लिए एक सीट मांगेगा। अगर विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया ने वहां सपा को एक सीट दी तो इसके एवज में यूपी में एक सीट तृणमूल कांग्रेस के लिए दी जा सकती है। इसी तरह से राजस्थान और हरियाणा में भी सपा इंडिया से दो-दो सीट मांगने की तैयारी में है। सपा की तरह ही तृणमूल कांग्रेस भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है। इसी साल अप्रैल में चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस ले लिया था। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस और सपा, दोनों ही अपने-अपने आधार वाले राज्य के अलावा दूसरे राज्यों में भी पैर फैलाना चाहती हैं।

मुआवजे में लापरवाही बरत रहे अफसर : आतिशी

मुख्य सचिव को पत्र, महज 197 लोगों को ही मिली राशि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और नौकरशाही में चल रही खींचतान अब बाढ़ पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे को लेकर सामने आई है। वित्त मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर ये सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बाढ़ पीड़ितों की मुआवजा राशि में लापरवाही नहीं बरती जाए। आतिशी ने हैरानी जताई कि राहत राशि देने को लेकर बुलाई गई राजस्व विभाग की बैठक में महज 197 लोगों को ही स्वीकृत मुआवजा राशि मिली हैं। दिल्ली कैबिनेट ने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये बतौर राहत देने का निर्णय लिया है। 10 दिन बीतने के बाद भी अधिकारियों का रवैया ढीला है। पत्र में कहा गया है कि इन अधिकारियों का सामान्य कार्य दिवस कैसा होगा जब वे आपातकाल और आपदा के समय में लापरवाही बरत रहे हैं। आतिशी ने मुख्य सचिव को सोमवार शाम 6 बजे तक स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देते हुए कहा है कि बांटे गए पैसे पर उन्हें और मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी जाए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि ये शर्मनाक है कि आतिशी ने बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा वितरण में देरी का दोष अधिकारियों पर मढ़ने की कोशिश की है, जबकि इसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। वे जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। 10,000 रुपये का मामूली मुआवजा अपने आप में बेमानी है। जिनका पूरा घर बाढ़ में तबाह होगा गया उन्हें इस रकम से कितनी राहत मिलेगी यह सभी को पता है।

बौद्ध व मुस्लिम बहकावे में न आएं

यूपी में अपनी ताकत बढ़ाएंगी बसपा सुप्रीमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया है कि बद्रीनाथ सहित अनेक मंदिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं। आधुनिक सर्वे अकेले ज्ञानव्यापी मस्जिद का क्यों अन्य प्रमुख मंदिरों का भी होना चाहिए। यह केवल नए विवादों को जन्म देने वाला विशुद्ध राजनीतिक बयान है। मौर्य लंबे समय तक भाजपा सरकार में मंत्री रहे तब उन्होंने इस बारे में पार्टी या सरकार पर ऐसा दबाव क्यों नहीं बनाया। अब चुनाव के समय ऐसा धार्मिक विवाद पैदा करना उनकी व सपा की घिनौनी राजनीति नहीं तो और क्या है। उन्होंने कहा कि बौद्ध और मुस्लिम समाज अब इनके बहकावे में आने वाले नहीं हैं।

यूपी में अपने को फिर से मजबूत करने के लिए मायवती रणनीति बनाने में जुटीं हैं। सियासी गलियारों में एक बड़ी चर्चा यह है कि बसपा दलित मुस्लिम समीकरण को छोड़ना नहीं चाह रही हैं। दलित वोटर तो उनके पास है ही। वह मुस्लिम वोटरों पर दांव खेलने के लिए रणनीति बना रही हैं। इसके लिए बसपा और औवेसी की पार्टी एक साथ आ सकते हैं। यह यूपी में दोनों के लिए एक बड़ी उम्मीदों का मंच हो सकता है। बसपा लगातार मुस्लिम वोटरों को यह समझाने की कोशिश कर रही हैं सपा के साथ जाने से उन्हें लाभ नहीं हुआ है।

जल परिवहन पुस्तक को राजभाषा सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने राजभाषा शील्ड एवं मौलिक पुस्तक योजना के तहत वरिष्ठ पत्रकार और लेखक अरविंद कुमार सिंह को उनकी पुस्तक भारत में जल परिवहन के लिए सम्मानित किया गया। विज्ञान भवन में शनिवार को आयोजित मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में यह पुरस्कार दिया गया। इस समारोह में कई सांसद, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सभी बंदरगाहों के प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। उनकी लिखी पुस्तक भारत में जल-परिवहन भारत में नौवहन के गौरवशाली अतीत के साथ मौजूदा परिदृश्य में भविष्य की सम्भावनाओं की पड़ताल करती है। इस पुस्तक का प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया ने किया है।

सदियों तक जल परिवहन हमारे सामाजिक-आर्थिक विकास में मददगार रहा। ताकतवर जलमार्गों के तट पर वैभवशाली नगर बसे। लेखक का मानना है कि आज भी देश में कई इलाकों में लाखों लोगों की जरूरतें जल परिवहन से पूरी होती है।

धीमी गति के बाद भी यह गरीबों के लिए जीवनरेखा बना हुआ है और आपदाओं के दौरान देसी नौकाएं तक सबसे अधिक काम आती है।

यूपी के वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह ने लिखी है पुस्तक

प्रदेश के बस्ती जिले में 7 अप्रैल 1965 को जन्में अरविंद कुमार सिंह हिंदी के प्रतिष्ठित पत्रकार और लेखक हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद पिछले साढ़े तीन दशकों से वे पत्रकारिता और लेखन से जुड़े हैं। जनसत्ता दैनिक से अपना कैरियर आरंभ करने वाले अरविंद कुमार सिंह ने अमर उजाला, जनसत्ता एक्सप्रेस,हरिभूमि समेत कई अखबारों को सेवाएं दी और तीन सालों तक रेल मंत्रालय में सलाहकार भी रहे। एक दशक तक राज्य सभा टीवी में संसदीय मामलों के संपादक के तौर पर पर काम किया। राज्य सभा की मीडिया सलाहकार समिति के अलावा कई विश्वविद्यालयों के बोर्ड आफ स्टडीज के सदस्य भी रहे हैं। श्री सिंह पीएम युवा कार्यक्रम के मेंटर भी रहे हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनकी 600 से अधिक रचनाएं प्रकाशित हुई हैं।

संजय शिरसाट ने दिखाया अपना चरित्र : प्रियंका

बोलीं- चौंकने वाली बात नहीं, बीजेपी का मिला है साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे कैंप के विधायक संजय शिरसाट के बयान पर उद्धव गुट की नेता प्रियंका चुतर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सांसद चतुर्वेदी ने शिरसाट को गद्दार और वल्गर कैरेक्टर बताते हुए निशाने पर लिया है तो वहीं, आदित्य ठाकरे भी इस जंग में कूद पड़े हैं। ज्ञात हो संजय ने कहा था कि आदित्य ठाकरे ने प्रियंका चुतर्वेदी की खूबसूरती देखी और सांसद बना दिया। अब उनके इस बयान पर शिवसेना (यूबीटी) गुट भड़क गया है, प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें बताने की जरूरत नहीं है कि वह कैसी दिखती हैं और कैसे सांसद बनीं।

उन्होंने बीजेपी पर भी हमला बोला और कहा कि संजय शिरसाट ने अपने बयानों से अपना चरित्र दिखा दिया और इसमें कोई चौंकने वाली बात नहीं है कि वह बीजेपी के साथ हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर शिरसाट को खूब खरी-खोटी सुनाई और कहा कि उन्हें यह बताने के लिए किसी गद्दार की जरूरत नहीं है कि वह कैसी दिखती हैं और जहां हैं वहां क्यों हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि शिरसाट ने 50 बक्सों के लिए अपनी आत्मा और ईमानदारी बेच दी। वह राजनीति और महिलाओं पर अपने विचारों में व्यापक बीमारी का एक आदर्श उदाहरण हैं और अपनी टिप्पणियों के जरिए वह अपना अश्लील चरित्र दिखाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि बीजेपी ने उन्हें अपने साथ रखा है।

शिरसाट बीमार मानसिकता वाले व्यक्ति : आदित्य

आदित्य ठाकरे ने भी शिरसाट के बयान पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि ये उनकी बीमार मानसिकता है। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि ऐसी बीमार मानसिकत वाले लोग राजनीति में कैसे हैं। शिवसेना में शामिल होने से पहले प्रियंका चतुर्वेदी कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं, पिछले साल एकनाथ शिंदे समेत 40 विधायकों की बगावत के बाद शिवसेना में फूट पड़ गई और पार्टी दो गुटों में बंट गई थी, तभी से दोनों गुट एक-दूसरे को लेकर बयानबाजी करते रहते हैं।

सड़क से संसद तक इंडिया..इंडिया का शोर

भाजपा गठबंधन के नाम को लेकर है परेशान

- पानी-पी-पी कर कांग्रेस को कोस रही है
- मोदी सरकार पर भारी पड़ सकता है नया गठबंधन
- 2024 चुनाव को लेकर तैयारी में सियासी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्ता में बैठी भाजपा, कांग्रेस के गठबधन इंडिया के नाम को लेकर आक्रामक है तो संसद में मणिपुर को लेकर विपक्ष ने हंगामा काट रखा है। सत्ता पक्ष विपक्ष के गठबंधन को कोस रही है। जब से विपक्षी गठबंधन ने खुद का नाम इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस) रखा है तब से भाजपा उसको लेकर जबरजस्त तरीके से हमलावर है। अब इसको लेकर भाजपा के एक सांसद ने संसद में अजीबोगरीब मांग रख दी है। इंडिया गठबंधन का मकसद 2024 में नरेंद्र मोदी और भाजपा से मुकाबला करना है। कई बीजेपी नेता पहले ही इसे इंडिया और भारत के बीच टकराव बता चुके हैं।

बंसल से पहले बीजेपी के वरिष्ठ नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी 2024 के लोकसभा चुनाव को भारत और इंडिया के बीच मुकाबला बताया था। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों 'इंडिया' की तुलना इंडियन मुजाहिद्दीन और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे आतंकी संगठनों से करते हुए कहा कि नाम बदल लेने मात्र से किसी के चरित्र में परिवर्तन नहीं हो जाता है।

भाजपा की विचारधारा ने मणिपुर को जलाया : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज मणिपुर हिंसा मामले में प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मणिपुर जलता रहा, लेकिन केंद्र की सरकार और पीएम मोदी ने कुछ नहीं किया। राहुल ने कहा कि पीएम एक शब्द बोलने को तैयार नहीं है। राहुल ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी संसद में मणिपुर पर एक शब्द बोलने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी जी को मणिपुर से कोई लेना देना नहीं है। राहुल ने कहा कि पीएम को मणिपुर में शांति की अपील करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक राज्य जलता रहा, लेकिन देश का प्रधानमंत्री कुछ नहीं बोला। उन्होंने कहा कि पीएम कई कार्यक्रम में बोलते हैं, लेकिन मणिपुर पर कुछ नहीं कहा। राहुल ने कहा कि पीएम को इंफाल जाकर लोगों से मिलना चाहिए और उनका हाल जानना चाहिए।

लोकसभा चुनाव से पहले गड़बड़ी करेगी बीजेपी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी बीजेपी अगले साल की लोकसभा चुनाव से पहले राज्य की छवि को खराब दिखाने के लिए लोगों के बीच विभाजन पैदा करके गड़बड़ी पैदा करने की योजना बना रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में एक चर्चा के दौरान ममता ने दावा किया कि उन्हें जानकारी है कि बीजेपी की यह योजना हाल ही में उसकी प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ नयी दिल्ली में हुई बैठक के दौरान तैयार की गई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीजेपी ने ऐसी किसी भी पार्टी को कोष देने की योजना बनाई है जो तृणमूल कांग्रेस के मतों को विभाजित कर सके ममता ने कहा, मुझे राष्ट्रीय राजधानी में बीजेपी की बैठक के बारे में जानकारी है, मैं उस बैठक में मौजूद लोगों का नाम नहीं लूंगी, वे समाज को धर्म और जाति के आधार पर बांटने की योजना बना रहे हैं। ममता बनर्जी ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा, वे महिलाओं, दलित, आदिवासी और राजबंगशी सहित कमजोर वर्गों के खिलाफ कथित अपराधों को उजागर करने की योजना बना रहे हैं ताकि राज्य की खराब छवि पेश कर सकें। विधानसभा में पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों में हुई हिंसा और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर विपक्षी बीजेपी की ओर से लाए गए एक प्रस्ताव पर चर्चा हुई, बीजेपी नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने यह प्रस्ताव रखा और अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने इसकी अनुमति दी। विधानसभा में मणिपुर की यात्रा को ममता बनर्जी ने कहा, इंडिया का एक दल मणिपुर का दौरा करने जा रहा है, यह अच्छा कदम होगा, उसे जाने दीजिए और खुद ही स्थिति देखने दीजिए, वहां लोगों से बातचीत करने दीजिए और उनका पक्ष सुनने दीजिए, ममता बनर्जी ने कहा, मैंने केंद्र को पत्र लिखकर मुझे वहां जाने देने की अनुमति मांगी थी लेकिन मुझे अनुमति नहीं दी गयी।

इंडिया नाम गुलामी का प्रतीक : बंसल

उत्तराखंड से भाजपा के राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने मांग की है कि देश के संविधान से इंडिया शब्द को हटा दिया जाए। उनका दावा है कि यह एक औपनिवेशिक थोपा गया शब्द था जिसने वास्तविक नाम भारत की जगह ले ली। भाजपा सांसद ने कहा कि इंडिया नाम गुलामी का प्रतीक है जो हमारे देश में अभी भी है और इसे तुरंत हटा देना चाहिए। जपा सांसद ने क्या कहा कि बंसल ने कहा कि विगत नौ वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने कई मौकों पर औपनिवेशिक विरासत और औपनिवेशिक प्रतीक चिह्नों को हटाने और उनकी जगह परंपरागत भारतीय प्रतीकों, मूल्यों और सोच को लागू करने की वकालत की है। भाजपा सदस्य ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत का नाम बदल कर इंडिया कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों की मेहनत के कारण 1947 में देश आजाद हुआ और 1950 में संविधान में लिखा गया, "इंडिया दैट इज भारत (इंडिया जो कि भारत है)"। उन्होंने कहा कि देश का नाम सदियों से भारत ही रहा है और इसी नाम से उसे पुकारा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का अंग्रजी नाम इंडिया शब्द अंग्रेजों की गुलामी का प्रतीक है। बंसल ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में गुलामी के प्रतीक को हटाया जाए।

द्रमुक हाथी की तरह ताकतवर : स्टालिन

डीएमके अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी पार्टी यानी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की ताकत की तुलना हाथी की शक्ति से की। स्टालिन ने कहा कि अगर उनकी पार्टी को उकसाया गया तो पार्टी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को अपनी ताकत दिखाएगा। स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एक पत्र लिखते हुए कहा कि 26 जुलाई को डीएमके के ट्रेनिंग सेशन में मौजूद बड़ी तादाद में पार्टी कार्यकर्ताओं की संख्या ने इस बात को दर्शाता है कि आगामी साल 2024 लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत होगी। जानकारी के मुताबिक, डीएमके की बैठक में 15 जिलों से लगभग 12,645 बूथ एजेंटों ने हिस्सा लिया था। स्टालिन ने लोगों राज्य की जनता तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया के महत्व को रेखांकित किया और कहा, हमारे राजनीतिक दुश्मन केवल झूठ फैलाते हैं। झूठी खबरें और अफवाहें व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं। झूठ पतंगों के झुंड की तरह है। हालांकि वे तेजी से फैलते हैं, लेकिन उनका जीवनकाल छोटा होता है। वहीं, सत्य में एक हाथी की ताकत होती है। हाथी अपनी सूंड से शांति से (लोगों को) आशीर्वाद देना जानता है और किसी व्यक्ति को फेंक देना भी जानता है। स्टालिन ने आगे कहा, हम लोगों को (कल्याणकारी योजनाएं/परियोजनाएं/सुशासन और इसके लाभ) लाभ पहुंचा रहे हैं। भारत को बचाने और फासीवादी ताकतों को परास्त करने के लिए इंडिया गठबंधन का गठन किया गया है।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला को मुजाहिद्दीन कहने पर शिकायत दर्ज

बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आम आदमी पार्टी की सीनियर प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद प्रवक्ता के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी की नेता प्रियंका ने एक टीवी डिबेट के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और धार्मिक टिप्पणी की। नोएडा के एक थाने में पूनावाला की शिकायत पर ये मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में कहा गया है कि आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका ने 25 जुलाई को एक प्राइवेट चैनल पर हुई डिबेट के दौरान पूनावाला को मुजाहिद्दीन कहा, इसके अलावा भी उन्होंने कई धार्मिक टिप्पणियां की, बीजेपी प्रवक्ता ने कहा है कि इससे उनकी धार्मिक भावनाएं और आस्था आहत हुई है.द्ध इसके अलावा शहजाद पूनावाला ने आम आदमी पार्टी प्रवक्ता पर आरोप लगाया है कि पहले भी उन्होंने मेरी आस्था और इस्लाम के खिलाफ टिप्पणी की है. उन्होंने कहा कि मुसलमानों के लिए ऐसी टिप्पणी करना आम आदमी पार्टी की जहरीली और नफरत भरी मानसिकता को दिखाती है। ये तमाम आरोप पूनावाला की तरफ से दी गई शिकायत में लगाए गए हैं।

मुंबई में हो सकती है विपक्षी दलों की बैठक

26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेता बेंगलुरु और पटना के बाद दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में भाग लेंगे, जहां उनके न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम शुरू करने और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त आंदोलन योजना की घोषणा करने की संभावना है। इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस) गठबंधन की अगले दौर की बैठक 25, 26 अगस्त को मुंबई में होने की संभावना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। पिछले दो महीने में विपक्षी दलों की यह तीसरी बैठक होगी। ऐसी पहली बैठक पटना में और दूसरी बेंगलुरु में हुई थी। 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेता बेंगलुरु और पटना के बाद दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में भाग लेंगे, जहां उनके न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर काम शुरू करने और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त आंदोलन योजना की घोषणा करने की संभावना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जोशीमठ जैसे हालात से हिमाचल में दहशत

हिमाचल प्रदेश को उत्तराखंड को बड़ा भाई कहा जाता है। उत्तराखंड के जोशीमठ के हालातों से सभी चिंतित है। जोशीमठ की तरह ही हिमाचल की राजधानी शिमला के कोटगढ़ में कई गांवों में खतरा मंडरा रहा है। कोटगढ़ के कई गांवों में लोगों के घरों में दरारें आ गई है। इस बीच कई लोगों के घरों को खाली भी करवाया गया।

अपने स्वार्थ के लिए मनुष्य प्रकृति से छेड़छाड़ करता है फिर प्रकृति अपना कोप दिखाती है तो मानव जीवन को तबाह करने लगती है। हम पहले तो ऐसी गलती करके पछताते ही पर उसके बाद और चिंता होती है जब प्राकृतिक आपदाओं से दो चार हो चुके लोगा सबक नहीं सिखते और एकबार फिर बर्बाद होने लगते हैं, अभी कुछ महीने पहले उत्तराखंड के जोशीमठ के घरों दरार पड़ने लगे थे जिसकी वजह से कई लोगों को वहां से पलायन करना पड़ा था वैसा ही कुछ अब हिमाचल में देखने को मिल रहा है। काश उत्तराखंड की घटना के बाद ही पहाड़ी राज्यों ने योजना बना ली होती तो ऐसी मुसिबतों का सामना नही उठाना पड़ता। हिमाचल प्रदेश को उत्तराखंड को बड़ा भाई कहा जाता है। उत्तराखंड के जोशीमठ के हालातों से सभी चिंतित है। जोशीमठ की तरह ही हिमाचल की राजधानी शिमला के कोटगढ़ में कई गांवों में खतरा मंडरा रहा है। कोटगढ़ के कई गांवों में लोगों के घरों में दरारें आ गई है।

इस बीच कई लोगों के घरों को खाली भी करवाया गया। बारिश की वजह सेब की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। लोगों में सरकार के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा है। जानकारी के अनुसार, तेज बारिश के चलते कोटगढ़ के गांवो में सेब के बगीचे तबाह हो गए। इस इलाके के लगभग 40 घरों को खतरा पैदा हो गया है। एक घर को पूरी तरह से खाली करवा दिया गया है। यहां के लोग अब डर के साए में जी रहे हैं। कोटगढ़ के भरेड़ी गांव की सड़कों पर बड़ी-बड़ी दरारें आ गई है। भरेड़ी गांव के अलावा कई इलाकों में जमीन धंसती जा रही है। बहुत से घरों को खतरा पैदा हो गया है। 10 और 20 जुलाई को कोटगढ़ के इन इलाकों में काफी तेज बारिश हुई थी। जिसके बाद ऐसे हालात पैदा हो गए हैं। लोगों की जमीन लगातार धंसती जा रही है। कई गांवों में पीने के पानी का भी संकट पैदा हो गया है। गांव के लोग प्राकृतिक स्त्रोतों पर निर्भर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर केंद्र सरकार द्वारा इसे राष्ट्र आपदा घोषित नहीं किया गया तो बहुत से लोग जमीन और घरों से हाथ दो बैठेंगे। इस गांव के लोग बेघर हो जाएंगे। लोगों का कहना है कि भारी बारिश के चलते उनकी सेब की फसल भी तबाह हो गई है। अब हमें सेब की चिंता नहीं, हमें तो सिर्फ अपने घरों की चिंता है। वहीं कोटगढ़ के भरेड़ी गांव की बुजुर्ग महिला का घर खाली करवा दिया गया है। महिला ने बहू और पोते-पोतियों को मायके भेज दिया है। बुजुर्ग महिला ने कहा कि जीवन भर की कमाई धीरे धीरे मिट्टी में मिल रही है।कोटखाई के भी कई इलाकों में बारिश से भारी नुकसान हुआ है। 3 भवन और 27 दुकानें जमींदोज हो चुके हैं। बाजार के आधे हिस्से पर खतरा मंडरा रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनौतियों के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाएं

जी. पार्थसारथी

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 21 जुलाई को एक दिवसीय भारत यात्रा पर आए, लिहाजा आमतौर पर प्रोटोकॉल के मुताबिक जो भव्य स्वागत और तामझाम किया जाता है, समयाभाव के कारण नहीं हो पाया। हालांकि, इस फेरी से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। ऐसे वक्त पर जब दोनों देश द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने में आर्थिक सहयोग को अधिक तरजीह देने का इरादा रखते हैं, जाहिर है इससे यह नैसर्गिक भावना पनपती है कि दोनों पक्षों के लिए आपसी मतभेदों पर बढ़-चढ़कर बोलने की बजाय शांतिपूर्ण वार्ता से परस्पर समझ बनाना श्रेयस्कर है। श्रीलंका में कभी यह डर बना था कि भारत उसके साथ भी वही करेगा जैसा कि 1980 के दशक में बांग्लादेश में बनी संकटपूर्ण स्थिति पर किया था, पर श्रीलंका की अखंडता को खतरा बनी एलटीटीई के साथ भारतीय शांति सेना द्वारा कड़ाई से पेश आने के बाद यह भय धीरे-धीरे घटता गया।

इससे श्रीलंका के उत्तरी और उत्तर-पूरबी इलाके में सदियों से बसे तमिल समुदाय और बहुसंख्यक सिंहली समुदायों के बीच पुराने वक्त से चले आ रहे मतभेदों को हल करने के अवसरों का दरवाजा खुला। जैसा कि पूर्वानुमान था श्रीलंकाई सेना द्वारा रौंदे जाने के बाद एलटीटीई अपनी परिणति को प्राप्त हुई। 1980 के दशक में श्रीलंका में भारतीय शांति स्थापना सेना की उपस्थिति और कार्रवाई से जो बड़ा अंतर आया वह यह कि श्रीलंकाइयों को भरोसा हो गया कि भारत उनकी एकता और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने को प्रतिबद्ध है, वह भी तब जब नस्लीय हिंसा के बाद बड़ी तादाद में तमिलों को भारतीय भूमि तमिलनाडु में शरण लेनी पड़ी थी। अब भारत की इच्छा है कि श्रीलंका सरकार देश के उत्तर-पूरबी खित्ते में बसे तमिलों को देश के लोकतांत्रिक संस्थानों में बनती उनकी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने वाले वादे को पूरा करे। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा 'हमें आशा है कि श्रीलंका तमिल लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। हम उम्मीद करते हैं कि श्रीलंका समानता, न्याय और शांति की पुनर्स्थापना प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।

उम्मीद है कि संविधान में किए गए 13वें संशोधन पर अमल करते हुए श्रीलंका सरकार प्रांतीय परिषद चुनाव करवाने की प्रतिबद्धता पूर्ण करेगी।' श्रीलंका में दो तरह के तमिल हैं, एक

जो वहां सदियों से बसे हैं और दूसरे हैं 'भारतीय तमिल' जिन्हें ब्रिटिश हुकूमत ने मुख्यत: चाय बागानों में काम करने के लिए बसाया था। यह उप-समुदाय श्रीलंका के उत्तर और उत्तर-पूरबी अंचलों में रहते हैं। मोदी सरकार का विशेष ध्यान अब तक काफी उपेक्षित रहे 'भारतीय तमिलों' की मदद करने पर ज्यादा है, मसलन, आवास बनाने में सहायता से। भारत-श्रीलंका संबंधों में तमिलों का मुद्दा लंबे अर्से से मुख्य बिंदु रहा है, लेकिन पिछले एक दशक से माहौल में काफी बदलाव आया है। इसकी शुरुआत मुख्यत: राजपक्षे परिवार के रवैये से हुई। राष्ट्रपति महिन्दा राजपक्षे ने घरेलू पिच पर राजनीतिक लाभ पाने की चाहत से हम्बनतोता बन्दरगाह का विकास कार्य चीन से 1.3 बिलियन डॉलर का ऋण उठाकर शुरू करवा दिया। राजपक्षे के चुनावी क्षेत्र में पड़ने वाला बन्दरगाह आर्थिक रूप से एक दुखांत रहा। धन की कमी से इसका प्रबंधन बूते से बाहर होने की वजह से नियंत्रण चीन को सौंपना पड़ा। इस किस्म के कामों ने श्रीलंका को संकट में डाला और अग्रज महिन्दा राजपक्षे के बाद राष्ट्रपति बने गोटाबया राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब हम्बनतोता बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथ में है और हो सकता है वह इसका इस्तेमाल चीनी नौसेना के जहाजों और पनडुब्बियों के विश्राम-अड्डे की तरह करे। यह वह मुद्दा है जिसको लगातार ध्यान में रखने की जरूरत भारत को है। श्रीलंका के लिए गनीमत यह रही कि इस कुप्रबंधन ने ऐसी स्थिति बना डाली जिसने देश की बागडोर अनुभवी राजनेता विक्रमसिंघे के हाथों में कर दी, जो देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए युक्तिपूर्ण ढंग से काम कर रहे हैं। ऐसे वक्त पर जब राष्ट्रपति विक्रमसिंघे विदेशी सहायता पाने के लिए परेशान थे, भारत ने संकट से उबरने को 4 बिलियन डॉलर की सहायता देने की पेशकश की।

इस बाबत त्वरित निर्णय को अंतिम रूप देने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर (जो श्रीलंका की मौजूदा स्थिति से मिलती-जुलती संकटपूर्ण परिस्थिति में वहां भारतीय दूत रह चुके हैं) और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की भूमिका अहम रही। आगे, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के पास श्रीलंका की जरूरतों की तगड़ी पैरवी भी की है।

अदालत के अधिकारों पर आंच से आंदोलित इस्राइल

पुष्परंजन

'बीबी' के नाम से मशहूर बेंजामिन नेतन्याहू पेसमेकर लगने की वजह से अस्पताल में थे। अस्पताल में कोई राष्ट्रनेता भर्ती हो, और जनता नेता के दीर्घायु होने की शुभकामना के बदले लानत भेजे, सुनकर किसी को भी अटपटा लगेगा। लेकिन नेतन्याहू दूसरी मिट्टी के बने हैं। गत 24 जुलाई को सड़क पर लानत-मलामत की परवाह न करते हुए नेतन्याहू अस्पताल से निकले। यह सब उस देश में न्यायिक सुधार बिल की वजह से हो रहा है जो वहां की संसद 'क्नेसेट' में पास हुआ। इस विधेयक के विरुद्ध आक्रोश इस कदर है कि रिजर्व पायलटों, रिजर्व सैनिकों ने धमका दिया है कि हम बुलाने पर भी सेवा देने नहीं जायेंगे। डाक्टर हड़ताल पर चले गये हैं। कुछ ने देश छोड़ने की धमकी दे दी है। सड़क पर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। मॉल और व्यापारिक केंद्रों पर ताला लग चुका है। अराजक स्थिति ऐसी, कि आप सड़क पर आसानी से नहीं चल सकते। जिसे देखिये, 'शेम-शेम, बीबी गो बैक' के नारे लगा रहा है।

एक नवंबर, 2022 को हुए आम चुनाव में 120 सीटों वाली संसद 'क्नेसेट' में लीकुड, यहूदीवादी शास, और यूनाइटेड तोराह जूडिजम जैसे दक्षिणपंथी गठबंधन को 64 सीटें हासिल हुई थीं। नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में 40 सांसद रूढ़िवादी यहूदी हैं। चार पार्टियों की गठबंधन सरकार में तीन तो घोषित रूप से आर्थोडॉक्स हैं। इनमें सेफार्डिक यहूदियों की समर्थक शास पार्टी, जो सियासत में औरतों की भागीदारी नहीं चाहती, दूसरी रोमन साम्राज्य के सपने देखने वाली अश्केह-नाजी यहूदियों की 'यूनाइटेड तोराह जूडिजम' और तीसरी पार्टी का नाम है, 'रिलीजिस जियोनिजम' जिसके नेता हैं राब्बी मेइर कहाने। इन तीनों दलों से नेतन्याहू की लीकुड पार्टी तालमेल बैठा कर चल रही है, जिस वजह से सोमवार को संसद में न्यायिक सुधार विधेयक को 64 सांसदों का समर्थन मिला।

120 सदस्यीय इस्राइली संसद में सत्ता व प्रतिपक्ष के बीच 64 और 56 का फासला है। विपक्ष ने इस बिल का संसद में सामूहिक बायकाट किया था। इसके विरोध में खड़े लोगों का दावा है कि सरकार न्यायपालिका के अधिकारों को सीमित करने जा रही है। नेतन्याहू को इसका डर बना रहता है कि उदारवादी सोच वाले जज 'रीजनेबिलनेस क्लॉज' का इस्तेमाल करते हुए जिस तरह से नियुक्तियां रोकते रहे, किसी दिन भ्रष्टाचार के आरोप में उन्हें ही जेल का रास्ता न दिखा दें। 18 जनवरी, 2023 को जेरूसलम के उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को आदेश दिया था कि शास पार्टी के नेता आर्येह देरी को आंतरिक सुरक्षा व स्वास्थ्य मंत्री पद से अविलंब हटायें। कोर्ट की कड़ी टिप्पणी थी, 'एक ऐसा व्यक्ति जो टैक्स फ्राड व घूसखोरी का दोषी रहा है, इस पद के लायक नहीं है।' शास पार्टी के प्रमुख आर्येह देरी के ख़िलाफ भ्रष्टाचार का मामला 2022 से चल रहा था। इस्राइल में सत्तारूढ़ लीकुड पार्टी के 32 सांसदों के बाद शास पार्टी के 11 सांसद गठबंधन सरकार में सबसे बड़ी संख्या में हैं। कोर्ट के आदेश के बाद, आर्येह देरी जैसे ताकतवर नेता से मंत्री पद छीन लेने का मतलब था, नेतन्याहू की नई-नवेली सरकार भरभराकर गिर जाती।

सत्ता में नेतन्याहू के साझीदारों के पास एक ही विकल्प बच गया था कि अदालत के पर कतरे जाएं। अदालत के अधिकारों के हरण का प्रयास पिछले छह महीनों से चल रहा था। इस्राइली सुप्रीम कोर्ट की प्रेसिडेंट (वहां मुख्य न्यायाधीश को प्रेसिडेंट बोलते हैं) एस्थर हायुत, जो एक महिला हैं, ने 15 जजों की बेंच के समक्ष बयान दिया था कि असाधारण परिस्थितियों में ही अदालत को राजनीतिक नियुक्तियों पर फैसला देना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट की प्रेसिडेंट एस्थर हायुत ने कहा, 'अदालत को यह अधिकार देश के संविधान ने दिया है। आर्येह देरी और उनकी शास पार्टी ने जनता का भरोसा पिछले चुनाव में जीता था, तभी उनके 11 सांसद चुनकर आये। मगर, आर्येह देरी उस पर खरा नहीं उतर पाये।' इस्राइल ने गुजिश्ता पांच वर्षों में पांच बार आम चुनाव कराने का विश्व रिकार्ड हासिल कर लिया है। अनिश्चित गठबंधन सरकारों से लोग 2018 से ही आजिज थे। पांचवीं बार मतदान 1 नवंबर, 2022 को हुआ, जिसमें नेतन्याहू की वापसी हुई है। दिसंबर, 2018 में क्नेसेट के विघटित हो जाने के बाद से ऐसा ग्रहण लगा है कि सरकार लंबे समय तक चलने की निश्चितता की गारंटी नहीं दी जा सकती। नेतन्याहू की कुर्सी गठबंधन की वजह से टिकी हुई है।

मगर, 'हम भ्रष्टन के, भ्रष्ट हमारे' वाले सिद्धांत पर जब सरकार चलाने की जबरदस्ती होती है, जनता कभी न कभी मोर्चा संभाल लेती है। इस्राइल में वही हो रहा है इस समय। नेतन्याहू सबसे लंबी अवधि तक इस्राइल में शासन प्रमुख बने रहने का रिकार्ड बना चुके हैं। 73 साल के नेतन्याहू ने 31 मार्च, 2009 को प्रधानमंत्री पद संभाला था। पांच बार पीएम की कुर्सी बचाये रखना भी नेतन्याहू के लिए बड़ी चुनौती थी। अब वो छठी बार सत्ता की सवारी कर रहे हैं। इन सबके बावजूद, नेतन्याहू अपने और परिवार के ऊपर लगे भ्रष्टाचार के दाग धो नहीं पाये। नेतन्याहू जर्मन पनडुब्बी डील में हुए भ्रष्टाचार में फंसे हैं। पनडुब्बी भ्रष्टाचार वाले सवाल पर 42 फीसद लोगों ने 'बीबी' को बेईमान माना था। मगर 27 प्रतिशत लोग यह कहते हैं, 'पीएम ने जो कुछ किया, देश के वास्ते किया।' इस्राइल भी उदाहरण बन गया कि देशहित, राष्ट्रवाद के बहाने सभी तरह के घपले ढके जा सकते हैं। नेतन्याहू की पत्नी सारा पर भी प्रधानमंत्री निवास के फर्नीचर की ख़रीद-फरोख्त और उसे सजाने के मामले में पैसे खाने का आरोप है।

सावन व्रत में झटपट बनाएं ये टेस्टी डिशेज

सावन का महीना शिव जी को समर्पित होता है, क्योंकि सावन का पूरा महीना शिव जी को बहुत ही ज्यादा प्रिया होता है। सावन के सोमवार की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रत करने और शिवलिंग पर जल, गुड़, अक्षत, बेलपत्र, भांग-धतूरा अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। अगर आप सावन सोमवार का व्रत रख रहे हैं, तो इस दौरान आपको अपने खान-पीन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है खासतौर से उनके लिए जो पहली बार व्रत रख रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि व्रत रखने से सेहत अच्छी रहता है, लेकिन व्रत के दौरान लोग पूड़ी, हलवा, खीर जैसी चीज़ों का ज्यादा सेवन करते हैं, तो ये चीज़ें सेहत के लिए बिल्कुल सही नहीं होती। इनसे हमारे शरीर में कैलरी की मात्रा में काफी बढ़ जाती है। कुट्टू के आटे की पूड़ी, व्रत वाले चिप्स, सामक की खीर, पनीर कोफ्ता, आलू की सब्जी, साबूदाना नमकीन के अलावा भी कई ऐसी चीजें हैं, जो सिर्फ और सिर्फ कैलोरी बढ़ाने का काम करती हैं।

सामक चावल पुलाव

व्रत में सामक के चावल से कई तरह की डिशेज़ बनाई जाती हैं, लेकिन अगर आप इसे हेल्दी तरीके से खाना चाहते हैं, तो पुलाव का ऑप्शन है बेस्ट। इसमें सीज़नल और अपनी पसंद की सब्जियां शामिल करें। इस पुलाव को बनाने में बस 15 मिनट लगते हैं।

मखाने की खीर

मखाने में कई सारे न्यूट्रिशन मौजूद होते हैं और दूध भी काफी हेल्दी होता है, तो आप इसकी खीर बना सकते हैं। बस इसे हेल्दी बनाने के लिए खीर में बहुत ज्यादा चीनी न मिलाएं। बेहतर होगा गुड़ का इस्तेमाल करें।

साबूदाने की खिचड़ी

साबूदाने की खिचड़ी व्रत का सबसे पसंदीदा ऑप्शन है। बहुत ज्यादा तामझाम किए बिना कड़ाही में जीरे, करी पत्ते का तड़का लगाएं। मूंगफली को हल्का फ्राई कर लें और उसके बाद रातभर भिगाया हुआ साबूदाना डालकर पका लें। इसे खाने से जल्दी भूख भी नहीं लगेगी और एनर्जी भी मिलती है।

हरियाली तीज पर बनाएं लजीज पकवान

हरियाली तीज हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। इस साल यह त्योहरा 19 अगस्त को मनाया जाएगा। हरियाली तीज में शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुख-शांति के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं श्रृंगार करती हैं और भगवान शिव और माता गौरी की विधिवत पूजा करती हैं। इस व्रत में कई तरह के स्वादिष्ट पकवान भी बनते हैं।

मालपुआ

सामग्री

1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच खोया, 1 चम्मच पीसी हुई हरी इलायची, 2 बड़े चम्मच कटे हुए पिस्ता, आवश्यकतानुसार केसर, 1 बड़ा चम्मच सूजी, आवश्यकतानुसार पानी, 1 कप रिफाइंड तेल, 1 चम्मच रबड़ी, आधा कप चीनी की चाशनी।

बनाने की विधि

एक कटोरा में खोया, मैदा और सूजी मिलाएं। इसके बाद इलायची पाउडर डालें और एक बार फिर अच्छी तरह मिला लें। इसमें पानी मिलाएं और इसका घोल तैयार कर लें। ध्यान रखें कि यह घोल न ज्यादा गाढ़ा हो या न पतला। इस घोल में केसर और इलायची मिलाएं। अब धीमी आंच पर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो मिश्रण को एक करछुल में डालें और समान रूप से फैलाएं। आंच धीमी रखें और मालपुआ को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाएं। अब मालपुआ को चाशनी में डालें और 10 मिनट तक रखें। इसे पिस्ता और रबड़ी से सजाकर परोसें।

खीर

सामग्री

1/2 कप चीनी, 1 बड़ा चम्मच ड्राई फ्रूट्स, पानी आवश्यकता अनुसार, आधा कप चावल, 1 लीटर दूध

बनाने की विधि

सबसे पहले इलायची को ग्राइंडर में डालकर पीसकर बारीक पाउडर बना लें। चावल को अच्छी तरह धोकर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। आधे घंटे के बाद,अतिरिक्त पानी निकाल दें और फिर चावल को मिक्सी से दरदरा पीस लें। इसके बाद एक गहरे तले वाले बर्तन में दूध डालकर धीमी आंच पर रख दें। इसमें उबाल आने दें और 2-3 मिनट तक उबलने दें। दूध में उबाल आने पर इसमें दरदरे पिसे हुए चावल डाल दीजिए और अच्छी तरह चला लीजिए। अब दूध को हर 1-2 मिनट के अंतराल पर चलाते रहें और आंच को मीडियम ही रखें। ड्राई फ्रूट्स को चॉपिंग बोर्ड पर रखकर बारीक काट लें। जब चावल पक जाए तो पैन में दूध डालें और लगातार चलाएं। सभी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें। खीर गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें। अब पैन में चीनी डालकर मिक्स करें और ढक्कन बंद कर दें। जब खीर को ठंडा होने दें और इसका आनंद लें।

घेवर

सामग्री

मैदा, दूध, चीनी, घी और ड्राई फ्रूट्स।

बनाने की विधि

इसे बनाने के लिए सबसे पहले मैदा छानकर किसी बर्तन में निकाल लीजिए और इसमें घी मिक्स करें। इन सामग्री को अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें दूध मिलाएं और फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर खूब फेंटें। इस घोल को इस तरह फेंटे कि इसमें कोई गुठली न रह जाए। अब एक कढ़ाई गर्म करें, इसमें घी डालें। फिर मैदे के घोल से बना लें स्वादिष्ट घेवर।

हंसना मना है

इतवार के दिन बैंक कर्मचारी की बीबी- उठो, जागो.. देखो मेरे मम्मी पापा आए हैं आदमी उनको कहो लाइन में लगें, और आईडी साथ में रखें।

पैसे वाला आदमी-आज मेरे पास 14 कार, 18 दूकान, 4 बंगले हैं .. तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी-मेरे पास 1 बेटा है जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

एक बार एक आदमी जंगल में जा रहा था। अचानक शेर देखकर सांस रोककर जमीन में लेट गया। ये देख कर शेर आया और उसके कान में बोला! सावन है बेटा, वरना सारी होशियारी निकाल देता।

साइकल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला। साइकल वाला- आप बहुत लकी हो, आदमी-ओए, एक तो मुझे साइकल मारी और ऊपर से कह रहा है कि मैं लकी हूं, कैसे? साइकल वाला-आज मेरी छुट्टी है, नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

कहानी किसी के बारे में पहले से धारणा न बनाएं

एक बार ट्रेन से पिता-पुत्र यात्रा कर रहे थे, पुत्र की उम्र करीब 24 साल की थी, पुत्र ने खिड़की के पास बैठने की ज़िद की, क्योंकि पिता खिड़की की सीट पर बैठे थे। पिता ने खुशी-खुशी खिड़की की सीट पुत्र को दे दी, और खुद बगल में बैठ गये। ट्रेन में आस पास और भी यात्री बैठे थे, ट्रेन चली तो पुत्र बड़ी उत्सुकता से चिल्लाने लगा देखो पिता जी नदी, पुल, पेड़ पीछे जा रहे है, बादल भी पीछे छूट रहे है। पिता भी उसकी हां में हां मिला रहे थे। उसकी ऐसी हरकतों को देखकर वहां बैठे यात्रियों को लगा कि शायद इस लड़के को कोई दिमागी समस्या है, जिसके कारण यह ऐसी हरकत कर रहा है। पुत्र बहुत देर तक ऐसी अजीबोगरीब हरकत करता रहा। तभी पास बैठे एक यात्री ने पिता से पूछा कि- आप अपने पुत्र को किसी अच्छे डॉक्टर को क्यों नहीं दिखाते? क्योंकि उसकी हरकत सामान्य नहीं है, हो सकता है की कोई दिमागी बीमारी हो। उस यात्री की बात सुनकर पिता ने कहा- हम अभी डॉक्टर के पास से ही आ रहे हैं। पिता की सुनकर यात्री को आश्चर्य हुआ। पिता ने बताया कि- मेरा पुत्र जन्म से ही अंधा था। कुछ दिन पहले ही इसको आंखों की रौशनी प्राप्त हुई है, इसे किसी दूसरे की आंखें लगाई गई हैं, और जीवन में पहली बार यह दुनिया को देख रहा है। यह इसलिए ऐसी हरकत कर रहा है, क्योंकि ये सारी चीजें इसके लिए एकदम नई है। ठीक वैसे ही जैसे किसी छोटे बच्चे के लिए होती हैं। पिता की बात सुनकर आस-पास बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने पुत्र के पिता से माफी भी मांगी।

7 अंतर खोजें

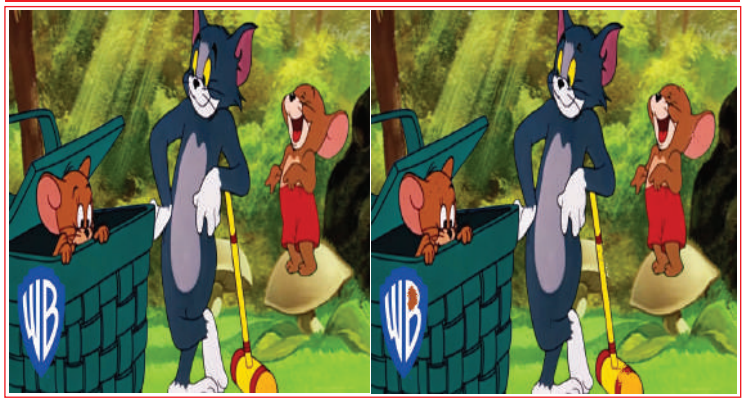

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभ

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें।

सिंह

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या

कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे।

धनु

दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना।

कुम्भ

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी मर्जी के बिना डायरेक्टर ने दिखाए थे इंटीमेट सीन : आयशा

एक समय अपनी खूबसूरती और अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली आयशा जुल्का ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। एक्ट्रेस को 90 के दशक की खिलाड़ी और जो जीता वही सिकंदर जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। 28 जुलाई को आयशा अपना 51वां मनाया। इस मौके पर हम उनके बारे में कुछ खास जानकारी लेकर आए हैं, जो शायद बहुत लोगों को मालूम नहीं होगी। आखिरी बार आयशा जुल्का को वेब सीरीज हैप्पी फैमिली कंडीशन्स अप्लाई में देखा गया था। एक्ट्रेस अपने करियर में हमेशा आगे बढ़ती रहीं, लेकिन कथित तौर पर उन्होंने स्क्रिप्ट चुनने में कुछ गलत ऑप्शन चुने, जिससे उसका करियर बर्बाद हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म दलाल में उनके बोल्ड सीन्स ने ही उनके करियर पर असर डाला। जहां फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, वहीं आयशा जुल्का के करियर ग्राफ में गिरावट आई। रिपोर्ट्स की मानें तो इससे उन्हें बी-ग्रेड फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। आयशा ने उस समय के कई टॉप फिल्म मेकर्स के साथ काम किया और उनमें से एक प्रकाश मेहरा थे, जिन्होंने उन्हें पार्थो घोष की फिल्म दलाल के लिए साइन किया था। चीजें तब तक ठीक से चलती रहीं जब तक कि एक दिन उसे एहसास नहीं हुआ कि पार्थो और प्रकाश ने उनकी जानकारी के बिना बॉडी डबल का इस्तेमाल करके एक इंटीमेट सीन शूट किया था। गुस्से में आयशा ने उन दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और हर जगह ये खबर आग की तरह फैल गई।दिलचस्प बात यह है कि उन्हें इस बात का एहसास फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले ही हुआ जब उन्हें एक रिपोर्टर का फोन आया। ट्रायल शो देखने वाले राइटर ने उनसे पूछा कि उन्होंने इतना हॉट सीन क्यों किया। एक्ट्रेस पूरी तरह से अचंभित रह गईं क्योंकि उन्हें जो बताया गया था, वैसा उन्होंने कुछ शूट ही नहीं किया।

पश्मीना संग रोमांस फरमायेंगे टाइगर श्रॉफ

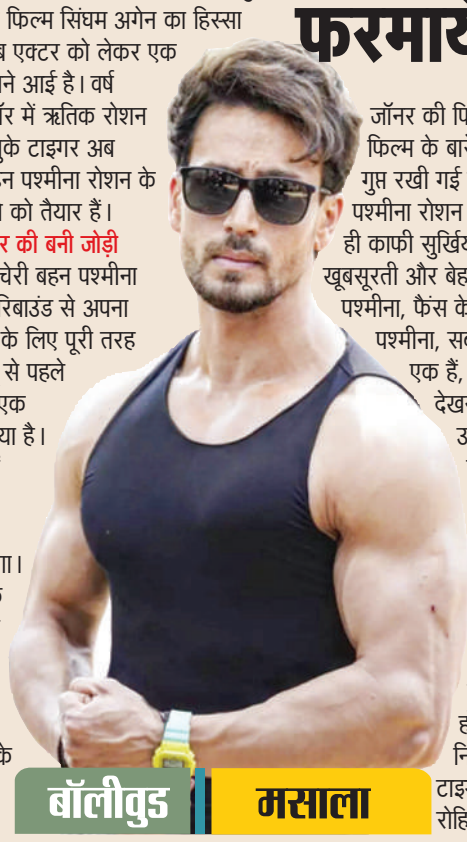

बॉलीवुड | मसाला

टाइगर श्रॉफ एक बार फिर अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिन जानकारी आई कि टाइगर, रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन का हिस्सा बन गए हैं। वहीं, अब एक्टर को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आई है। वर्ष 2019 की फिल्म वॉर में ऋतिक रोशन के साथ काम कर चुके टाइगर अब एक्टर की चचेरी बहन पश्मीना रोशन के साथ रोमांस फरमाने को तैयार हैं।

पश्मीना-टाइगर की बनी जोड़ी

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, डेब्यू से पहले ही पश्मीना के हाथ एक और प्रोजेक्ट लग गया है। इस अनाम फिल्म में पश्मीना को एक्टर टाइगर श्रॉफ के अपोजिट देखा जाएगा। इस तरह मेकर्स एक बार फिर फ्रेश जोड़ी के साथ लोगों का दिल जीतने की तैयारी कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह एक रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर की फिल्म हो सकती है। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी गुप्त रखी गई है।

पश्मीना रोशन अपने बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही काफी सुर्खियां बटोर चुकी हैं। अपनी खूबसूरती और बेहतरीन डांस स्किल्स के दम पर पश्मीना, फैंस के दिलों पर राज करती हैं। पश्मीना, सबसे पॉपुलर स्टारकिड्स में से एक हैं, ऐसे में फैंस उन्हें फिल्मों में देखने के लिए काफी ज्यादा उत्सुक हैं। इस बीच पश्मीका की डेब्यू फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड की बात करें तो यह शाहिद कपूर की वर्ष 2003 की फिल्म इश्क विश्क का रीबूट है। इश्क विश्क रिबाउंड में रोहित सराफ और जिब्रान खान भी होंगे। फिल्म का डायरेक्शन निपुण धर्माधिकारी करेंगे। वहीं, टाइगर श्रॉफ की बात करें तो वह रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन से जुड़ गए हैं। इसमें एक्टर के कैमियो की जानकारी सामने आ रही है। इसके अलावा टाइगर को गणपथ और बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में देखा जाना है।

आलिया भट्ट-रणवीर कपूर की पैसा वसूल केमिस्ट्री ने जीता दिल

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी फाइनली रिलीज हो गई है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की जोड़ी नजर आ रही हैं। वहीं फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी ने भी अहम किरदार निभाए हैं। कैसी है ये फिल्म और इसे देखना चाहिए या नहीं आपको बताते हैं। तो दिल थाम के पढ़िए मेहरबान और कदरदान हाजिर है शानदार...मजेदार...जबरदस्त रिव्यू।

करण जौहर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पारिवारिक फिल्म में ग्लैमर का तड़का उनसे बेहतर कोई नहीं लगा सकता है। फिल्म के ट्रेलर से आपको ये पता ही चल जाएगा की कहानी दो कल्चर पंजाबी और बंगाली के ईर्द-गिर्द बुनी गई है। जहां एक तरफ रिच पंजाबी फैमली का साड्डा रॉकी है, तो दूसरी तरफ एजुकेटिड बंगाली फैमली। रॉकी और रानी दोनों एक दूसरे से प्यार कर बैठते हैं। लेकिन इस फिल्म का अलसी लव कपल कोई और है, जिन्हें मिलाने के चक्कर में शुरू होती है रॉकी और रानी की कहानी। फिल्म का एक डायलॉग है कि शादी नुमा गाड़ी की स्टेयरिंग भले ही कपल के हाथ हो पर बैक सीट ड्राइविंग फैमली ही करती है। फिल्म में बस दोनों के परिवार के बीच प्यार...अनबन...इमोशन सब देखने को मिलता है और कहानी को यही आगे बढ़ाता है। फिल्म में की सबसे मजबूत कड़ी इस की कास्ट है। फिल्म में आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आजमी हर छोटे बड़े कैरेक्टर ने अपने रोल में जान फूंक दी है। फिल्म आपको एक मिनट के लिए भी अपनी सीट छोड़ने पर मजबूर नहीं करेगी। फिल्म देखने के बाद आप यही कहेंगे एंटरटेंमेंट, एंटरटेंमेंट और भरपूर एंटरटेंमेंट से भरी है फिल्म।

अजब-गजब | आखिर क्या है ऐसे अजीबोगरीब नाम का अर्थ?

बनियान को क्यों कहते हैं सैंडो ?

बनियान, गंजी या अंग्रेजी में कहें तो वेस्ट, पुरुषों द्वारा कपड़े के नीचे पहना जाने वाला अंडरगार्मेंट है। कई बार तो लोग सिर्फ रंगीन बनियान पहनकर बाहर टहलने निकल जाते हैं, उसके ऊपर शर्ट या टीशर्ट नहीं पहनते बनियान को तो आपने देखा होगा, इस्तेमाल भी करते होंगे, पर क्या आपने कभी ये सोचा है कि आखिर बनियान के साथ 'सैंडो'शब्द क्यों जोड़ते हैं? कई बार दुकान से बनियान खरीदते वक्त आपने बनियान शब्द की जगह सिर्फ 'सैंडो' बोला होगा और दुकानदार ने आसानी से समझकर आपको बनियान थमा दी होगी। पर फिर बात वहीं आकर अटक जाती है कि आखिर 'सैंडो बनियान' या 'सैंडो गंजी' क्यों कहते हैं, ये तो कंपनी का भी नाम नहीं है जो उसे साथ में जोड़ा जाए, आखिर क्या है 'सैंडो' का रहस्य?

साल था 1867। जर्मनी के प्रशिया में एक बच्चे का जन्म हुआ जिसका नाम रखा गया यूजेन सैंडो। सैंडो जब 10 साल का था, तब से ही उसे बॉडी बिल्डिंग का शौक चढ़ गया था। उसने कई बॉडी बिल्डिंग की प्रतियोगिताओं में भाग लिया और बड़ा नाम कमा लिया। यही कारण है कि यूजेन सैंडो को मॉडर्न बॉडी बिल्डिंग का पितामाह भी कहा जाता है। इस बनियान का नाम उनके ड्रेसिंग स्टाइल पर ही पड़ा है। चलिए आपको बताते हैं कैसे।

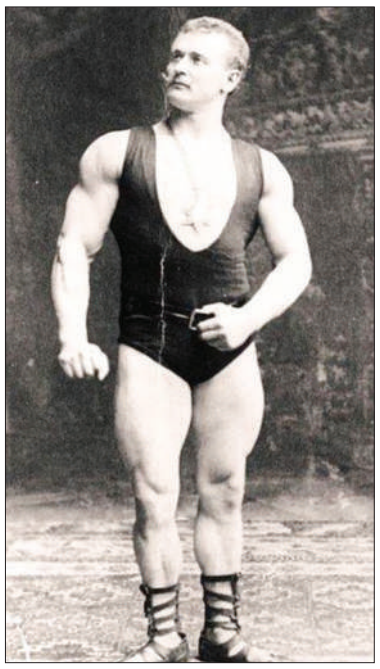

बॉडी बिल्डिंग के अपने सफर के दौरान सैंडो की बॉडी को सबसे पर्फेक्ट माना जाता था। यही कारण है कि लोग पैसे देकर उसके शरीर को देखने आते थे। वो पूरी दुनिया में घूम-घूमकर अपने शरीर को प्रदर्शनी की तरह दिखाता था। जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ सैंडो का भारत आना भी हुआ था। विकीपीडिया के अनुसार साल 1905 में यूजेन सैंडो भारत आया था। उस वक्त तक वो विश्व विख्यात हो चुका था और लोग उसे अच्छे से पहचानते थे।

ऐसे पड़ गया बनियान का नाम सैंडो

सैंडो खास तरह की टी शर्ट पहनकर बॉडी बिल्डिंग करता था। वो बनियान जैसा ही कपड़ा था। उसके आने के बाद भारत में वैसी बनियान का चलन बढ़ने लगा। बस तभी से, इन बनियानों को सैंडो बनियान या सिर्फ सैंडो कहा जाने लगा। ये आज की बनियान जैसी ही थी जो स्लीवलेस हुआ करती थी और शरीर से चिपकी रहती थी। वैसे आपको बता दें कि फिलिपीन्स की भाषा में सैंडो का अर्थ स्लीवलेस टीशर्ट होता है। बहुत से लोगों का मानना है कि ये शब्द वहां से इजाद हुआ है, हालांकि, बॉडी बिल्डिंग सैंडो से ही जोड़कर लोग इसका नाम देखते हैं। यूजेन की मौत ब्रेन हैमरेज की वजह से 58 साल की उम्र में हुई थी।

सोने-चांदी से कम नहीं है ये आम कीमत जानकर ही उड़ जाएंगे होश!

लू चलने वाली गर्म तो चली गई, और मॉनसून भारत में कई दिन पहले ही दस्तक दे चुका है। कई शहरों में बाढ़ जैसी स्थिति है पर अभी भी भारत के कई हिस्सों में उमस का मौसम है। पर इन सबके बीच लोगों को एक फल जो राहत देने का काम इस मौसम में कर रहा है, वो है आम। भारत में रहने वाले आम की कई प्रजातियों के बारे में जानते होंगे। पर क्या आप एक ऐसी प्रजाति के बारे में जानते हैं जो इतनी महंगी है कि उसे सिर्फ अमीर लोग ही खरीद सकते हैं। ये इतनी महंगी है कि इसके पेड़ों के पास सुरक्षा गार्ड लगाने पड़ते हैं जिससे कोई इसके चुरा ना ले। आज हम आपको इसी आम के बारे में बताने जा रहे हैं। इस आम का नाम है 'मियाजाकी' आम जो करीब 3 लाख रुपये किलो तक मिलता है। आज हम आपको इस आम के बारे में इसलिए बता रहे हैं क्योंकि ओडिशा के कालाहांडी जिले में स्थित गांव, कांडुलगुडा में एक शिक्षक ने मियाजाकी आम की प्रजाति को उगाकर सभी को हैरान कर दिया है। ट्विटर पर आम के बगीचे के वीडियो को शेयर किया है जिसमें आम से लदे पेड़ों को आप देख सकते हैं। अब आप समझ ही गए होंगे कि हम क्यों इस आम को सोने-चांदी के बराबर कह रहे थे। भारत में भी ये आम त्रिपुरा में उगता है और यहां 1500 रुपये किलो इसकी कीमत होती है वहीं इंटरनेशनल मार्केट में आम की कीमत 2.5 लाख से 3 लाख रुपये तक हो सकती है। अब सवाल ये उठता है कि आखिर ये आम इतना महंगा क्यों है और इसका आविष्कार कहां हुआ था? इस आम का आविष्कार जापान के क्यूशू प्रांत में मौजूद मियाजाकी शहर में हुआ था। 1980 के दौर में इसकी पैदावार शुरू हुई थी। मियाजाकी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और स्थानीय किसानों का एक समूह इस पौधे का विचार लेकर आया था। शोधकर्ताओं ने आम बनाने के लिए पुराने जमाने की प्रजनन तकनीकों और नई तकनीक दोनों का इस्तेमाल किया, जो क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी में अच्छी तरह से विकसित हो सके। इससे मियाजाकी आम का आविष्कार हुआ, जो न केवल स्वादिष्ट था बल्कि इसकी शेल्फ लाइफ भी लंबी थी और इसे कीटों द्वारा खाए जाने की संभावना भी कम थी। ये आम आवश्यक विटामिन और खनिजों का एक उत्कृष्ट स्रोत हैं, जिनमें विटामिन सी, विटामिन ए और आहार फाइबर शामिल हैं। विटामिन सी एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करता है, जबकि विटामिन ए अच्छी दृष्टि और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन में सहायता करता है और स्वस्थ आंत में योगदान देता है। इनमें एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं जो ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करते हैं और समग्र कल्याण को बढ़ावा देते हैं।

मेरा नाम कन्हैया है और कृष्ण ने ही मामा का वध किया था: कन्हैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। इंदौर में हुई कांग्रेस की आदिवासी महापंचायत में कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा निशाना साधा। कृष्ण लीला का उल्लेख करते हुए कन्हैया कुमार ने कहा, कृष्ण ने कंस का वध किया था और कंस भी मामा था, मेरा नाम भी कन्हैया है, यह कहकर कांग्रेस नेता शिवराज मामा पर सीधा हमला करते दिखे।

मप्र के सीएम शिवराज पर जमकर बरसे

कन्हैया कुमार ने कहा, मामा का बेटा विदेश में पढ़ने गया था, मामा के संदर्भ में एक बात बता दूं, मेरा नाम कन्हैया है और कृष्ण ने कंस का वध किया था और कंस भी मामा था, यह संदर्भ मैं इसलिए बता रहा हूं कि हम लोगों को आंख खोलकर सच्चाई देखने की जरूरत है, उन्होंने आगे कहा, इस प्रदेश में गरीब के लिए महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या छात्रावास नहीं बनेगा, क्योंकि जब मुख्यमंत्री का बेटा विदेश पढ़ने के लिए जाएगा तो आदिवासियों के लिए महाविद्यालय क्यों बनाएगा?

कन्हैया कुमार ने हमला करते हुए कहा कि ये लोग 20 साल से सरकार चला रहे हैं, लेकिन जब चुनाव में 20 महीना बचा था तब इन्हें लाडली बहनाओं की याद आई, कह रहे हैं हम 2000 रुपया दे देंगे। कन्हैया कुमार का कहना है, आप 2000 रुपये अपने पास रखिए, बस ये बताइए कि 350 का सिलेंडर 1400 रुपये में क्यों मिल रहा है? 2 हजार रुपये में दो महीना मोबाइल रीचार्ज भी नहीं हो पाएगा।

उन्होंने कहा कि सीएम प्रदेश को ठग रहे हैं और उनका खेल हम लोग समझ गए हैं।

किसानों के साथ प्रियंका-राहुल और सोनिया ने किया भोजन

नई दिल्ली। गांधी परिवार ने हरियाणा के सोनीपत जिले की कुछ महिला किसानों के साथ भोजन किया। इसका वीडियो कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शेयर किया है। इस दौरान सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी वहां मौजूद थीं। इस मौके पर महिलाओं ने राहुल गांधी की शादी के बारे में सोनिया गांधी से बात की। हरियाणा की कुछ महिला किसानों ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से बातचीत के दौरान कहा, राहुल की शादी करा दीजिए। जिसके जवाब में सोनिया ने उनसे अपने बेटे के लिए लड़की ढूंढने को कहा। जिसके बाद सब ठहाके मारकर हंसने लगते हैं।

वैश्विक स्तर पर आयोजित होगा भारत आम महोत्सव: रमेश अवस्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 16वें भारत आम महोत्सव में पहुंचे 16 केंद्रीय मंत्री

दिल्ली। नेशनल मीडिया क्लब द्वारा दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट परिसर में 16वें भारत आम महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में 14 देशों के राजदूत,16 केंद्रीय मंत्रियों और 135 से ज्यादा सांसदों ने शिरकत की। महोत्सव का शुभारंभ उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दीप प्रज्वलन करके किया।

विदेशी मेहमानों ने इस तरह के भारत आम महोत्सव का आयोजन अपने अपने देशों में भी कराने के लिए आयोजक रमेश अवस्थी से आग्रह किया। जिस पर नेशनल मीडिया क्लब के चेयरमैन रमेश अवस्थी ने 2024 का भारत आम महोत्सव दुबई में कराने की घोषणा की। रमेश अवस्थी ने आम महोत्सव के बारे में बताया कि आम को भारत मे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। आम को कूटनीतिक राजनीति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि देश की आजादी के बाद भारत के कई प्रधानमंत्री आम को विदेशी मेहमानों को उपहार में दे चुके हैं। भारत गौरव के प्रतीक आम की खुशबू और उसके गुणों को देश विदेश तक फैलाकर उसके बारे में जानकारी देना तथा आम उत्पादन को बढ़ाकर किसानों को समृद्ध बनाना नेशनल मीडिया क्लब का उद्देश्य है। भारत आम महोत्सव में पहुंचे रूस,अफ्रीका, फिजी समेत 14 देशों के विदेशी मेहमानों ने तीन सौ से अधिक किस्मों के आम की प्रदर्शनी को देखा और इसकी प्रशंसा की। महोत्सव में पहुंचे मेहमानों का स्वागत नेशनल मीडिया क्लब के अध्यक्ष सचिन अवस्थी ने किया।

डबल ट्रैप इवेंट में अजलान ने रजत पदक पर साधा निशाना

» अवध राइफल शूटिंग एकेडमी में कोच विक्रम राय से शूटिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं अजलान असगर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 46 स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में अजलान असगर ने डबल ट्रैप इवेंट में रजत पदक प्राप्त किया। विदित हो कि अजलान असगर सुल्तानपुर के मूलनिवासी जमाल असगर राणा के पुत्र हैं।

अज़लान की उम्र 13 साल है और वह शूटिंग प्रशिक्षण अवध राइफल शूटिंग एकेडमी लखनऊ में कोच विक्रम राय से प्राप्त कर रहे हैं। मई में प्री स्टेट शूटिंग कंपटीशन में भी उन्होंने तीन गोलड और एक सिल्वर मेडल निकाला था अजलान के कोच विक्रम राय ने बताया कि अजलान को राष्ट्रीय राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा रहा है अजलान के पिता जमाल असगर राणा ने बताया कि अज़लान एक मेधावी छात्र

है और लखनऊ के सीएमएस गोमती नगर के आठवीं के छात्र हैं।

संरक्षित स्मारकों से तत्काल हटाया जाये अतिक्रमण: मंडलायुक्त

» समाजसेवी आधिवक्ता मोहम्मद हैदर की जनहित याचिका पर आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में संरक्षित स्मारकों से अतिक्रमण हटाने के सम्बन्ध में समाजसेवी व अधिवक्ता सैयद मोहम्मद हैदर रिजवी की जनहित याचिका में उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश की पीठ द्वारा दिये गये आदेश के मद्देनजर मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में आधिवक्ता मोहम्मद हैदर एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा मंडलायुक्त को अवगत कराया गया कि उच्च न्यायालय के आदेश के तहत प्रथम चरण में लखनऊ स्थित जिन पाँच केन्द्रीय संरक्षित स्मारकों यथा इमामबाडा आसिफुद्दौला बड़ा इमामबाड़ा सआदत अली एवं मुशीर जादी मकबरा नील्स गेट कैसरबाग गेट कैंसर पसन्द सिमेट्री से अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को हटाने हेतु निर्णय लिया गया था उनमें से जनवरी, 2016 में केन्द्रीय संरक्षित स्मारक इमामबाड़ा आसिफुद्दौला बड़ा इमामबाड़ा में से 50 परिवारों का कब्जा व अतिक्रमण जिला प्रशासन द्वारा हटाया गया है। बैठक के दौरान संबंधित द्वारा बताया गया कि हुसैनाबाद क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय संरक्षित स्मारक इमामबाड़ा आसिफुद्दौला बड़ा इमामबाड़ा एवं आसिफी मस्जिद में क्रमशः 19 एवं 06 अतिक्रमण अभी भी बाकी हैं जिनको हटाया जाना शेष है। मंडलायुक्त ने संबंधित को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि एएसआई और ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से हेरिटेज एरिया का सर्वे करा लिया जाये और अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करे समयबद्ध रूप से हटाया जाए । मोहम्मद हैदर ने लखनऊ की साझी विरासात, स्मारकों की जानकारी देते हुए उनके प्रयासों से अमजद अली शाह के मकबरे (इमामबाड़ा सिबतैनाबाद) का एवं उक्त ऐतिहासिक स्थल एवं उसके के गेट का पूर्ण जीर्णोद्धार भारतीय पुरातत्व सर्वे के द्वारा पूर्ण किये जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया और अपेक्षा की कि उनके द्वारा छोटे इमामबाड़े के गेट के संरक्षण कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा। श्री हैदर ने बताया कि कमिटी की एक अन्य बैठक भी शीघ्र प्रस्तावित है एवं उनकी जनहित याचिका सितम्बर 2023 में सुनवाई हेतु सूचिबद्ध है जिसमें माननीय न्यायालय को प्रगति से अवगत कराया जायेगा।

मोहम्मद हैदर

भारतीय हॉकी टीमों का स्पेन में बजा डंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बार्सीलोना। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के मुकाबले में गत एफआईएच हॉकी प्रो लीग चैंपियन नीदरलैंड को 2-1 से हराया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (15वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (50वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे।

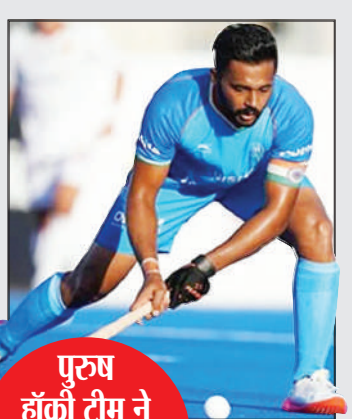

पुरुष हॉकी टीम ने नीदरलैंड को 2-1 से हराया

नीदरलैंड की ओर से एकमात्र गोल थियेरी ब्रिंकमैन ने 25वें मिनट में किया। मैच में सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए। भारतीय टीम अब मंगलवार तड़के चेन्नई पहुंचेगी जहां उसे मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त से एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेना है। भारत ने फिर दीप ग्रेस एक्का, निक्की प्रधान और सुशिला चानू की बदौलत रक्षण भी मजबूत किया जिससे स्पेन के हमलों पर लगाम लगी रही। हूटर बजने से दो मिनट पहले उदिता ने बेहतरीन ड्रिब्लिंग का नजारा पेश करते हुए तीसरा गोल दाग दिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने दबदबे भरा प्रदर्शन करे हुए स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ पर हो रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेजबान स्पेन पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की।

महिला टीम ने स्पेन को 3-0 से दी मात

भारतीय टीम को अभी तक टूर्नामेंट में हार का सामना नहीं करना पड़ा है, उसके लिये वंदना कटारिया ने 22वें मिनट, मोनिका ने 48वें मिनट और उदिता ने 58वें मिनट में गोल दागे। शनिवार को इंग्लैंड पर सफलता से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही मजबूत शुरुआत की। खिलाड़ियों ने सतर्कता बरतते हुए छोटे और सटीक पास से अनुशासित प्रदर्शन जारी रखा जिससे उन्होंने सर्कल में मौके बनाये लेकिन मेहमान टीम पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकी। स्पेन ने भी पहले क्वार्टर के अंतिम पांच मिनट में कुछ अच्छे प्रयास किये लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने बेहतरीन बचाव कर प्रतिद्वंद्वियों को दूर ही रखा।दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबदबा बनाया जिससे उनकी बढ़त हासिल करने की भूख स्पष्ट दिखी। सुशीला ने 22वें मिनट में मैदानी गोल करने का अच्छा मौका बनाया और नेहा गोयल को सर्कल के ऊपर पास दिया लेकिन उनका शॉट स्पेनिश गोलकीपर क्लारा पेरेज के पैड से वापस आ गया। इंग्लैंड के खिलाफ तीन गोल करके स्टार रहीं लालरेमसियामी ने रिबाउंड को गोलकीपर के पास स्मैश किया और वहीं मौजूद वंदना ने इसे छुआकर गोललाइन के अंदर पहुंचा दिया।

संसद में आठवें दिन भी हंगामा, कामकाज ठप

» मणिपुर को लेकर मानसून सत्र में बवाल जारी

» विपक्ष पीएम के बयान पर अड़ा, सरकार बोली चर्चा से भाग रहा विपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दूसरे सप्ताह का पहला दिन फिर हंगामें की भेंट चढ़ गया। सत्र के आठवें दिन भी विपक्ष मणिपुर मामले में पीएम के बयान की मांग कर रहा है तो सत्ता पक्ष कह रहा है कि विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। विपक्ष के बवाल के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई है। इससे पहले मणिपुर का दौरा करने वाले इंडिया गठबंधन के सांसदों और अन्य विपक्षी नेताओं ने आज संसद भवन में कांग्रेस के संसदीय कार्यालय में एक बैठक की।

इस बैठक में विपक्ष की आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। इस बैठक में सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे।

अविश्वास प्रस्ताव पर हम चर्चा के लिए तैयार : अनुराग

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्ष की अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की मांग पर कहा कि अगर आपको याद हो कि 2018 में भी यह जानते हुए भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था कि भाजपा और एनडीए के पास बहुमत है। जब भी सभापति चाहेंगे इस पर चर्चा होगी। हम तैयार हैं और चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा सासंद इस चर्चा में भाग लें। विपक्ष का असली चेहरा देश के सामने आना चाहिए। उधर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा में कहा कि हम मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा

करना चाहते हैं लेकिन विपक्ष सांसद, सदस्यों को मिली आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार चर्चा चाहती है लेकिन विपक्ष संसद सत्र के अहम नौ दिन पहले ही बर्बाद कर चुका है।

स्पीकर और सभापति से मिलेंगे विपक्षी सांसद

विपक्षी गठबंधन के सांसद राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात करेंगे। विपक्षी सांसदों की मांग है कि उन्हें उनके-उनके सदनों में मणिपुर के जमीनी हालात पर बोलने की इजाजत दी जाए।

दिल्ली अध्यादेश अलोकतांत्रिक : राघव चड्ढा

सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि संसद में आज पेश किया जाने वाला अध्यादेश अलोकतांत्रिक है। यह ना सिर्फ संविधान के खिलाफ है बल्कि यह दिल्ली के दो करोड़ लोगों के भी खिलाफ है। भाजपा यह समझ चुकी है कि दिल्ली में वह खत्म हो गई है इसलिए उनकी पार्टी का नेतृत्व ऐसे फैसले लेकर दिल्ली सरकार को बर्बाद करना चाहते हैं।

मणिपुर में हालात बेहद गंभीर : अधीर रंजन

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमारी सिर्फ ये मांग है कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी चाहिए,मणिपुर में हालात बेहद गंभीर है। देश को बचाने की जरूरत है। भाजपा और उसके सहयोगियों को भी मणिपुर का दौरा करना चाहिए और सभी को मणिपुर के हालात की समीक्षा करनी चाहिए।

विपक्ष की जिम्मेदारी : मेघवाल

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हमने जब उनकी मणिपुर पर चर्चा की मांग को स्वीकार किया तो उन्होंने प्रधानमंत्री के सदन में आकर जवाब देने की मांग रखी। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि मसला शांतिपूर्ण समाधान की तरफ बढ़े। वे ऐसे मसले पर भी राजनीति कर रहे हैं। आज जो बिल लगे हैं वह आएंगे। जब दिल्ली अध्यादेश बिल लगेगा तब बताएंगे।

दिल्ली अध्यादेश पर असमंजस

संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि दिल्ली अध्यादेश आज सदन में पेश नहीं किया जाएगा। इस बिल को 25 जुलाई को मोदी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी। केंद्र ने 19 मई को अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर अध्यादेश कर सुप्रीम कोर्ट के 11 मई के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को मिला था। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के चीफ व्हिप सुशील कुमार गुप्ता ने व्हिप जारी किया है। इसमें आप के सभी राज्यसभा सांसदों को 4 अगस्त तक सदन में मौजूद रहने को कहा गया है।

अमिताभ ने यूपी सरकार की राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में की शिकायत

» मोहर्रम की घोषित छुट्टी रद्द करने पर योगी सरकार पर बिफरे अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मोहर्रम के दिन घोषित छुट्टी होने के बाद भी विद्यार्थियों की छुट्टी निरस्त कर स्कूल बुलाए जाने के मामले सहित तमाम मामलों को प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेजी है।

अपनी शिकायत में अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि 2017 में बनी मौजूदा उत्तर प्रदेश सरकार लगातार ऐसी ऐसी नीतियां ला रही है और ऐसे कार्य कर रही हैं, जो प्रथमदृष्टया गंभीर प्रश्नचिन्ह उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि एक और मौजूदा सरकार बहुसंख्यक समाज के सभी त्योहारों में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भारी धनराशि खर्च करती है और सरकार के मंत्री और बड़े-बड़े अधिकारी स्वयं इन कार्यक्रमों में खुलकर प्रतिभाग करते हैं, इसके विपरीत

अल्पसंख्यक समाज से जुड़े त्योहारों के संबंध में निरंतर कड़े निर्देश निर्गत किए जा रहे दिखते हैं, इतना ही नहीं राज्य सरकार द्वारा विगत दिनों जो तमाम नए कानून बनाए गए हैं उनके संबंध में भी तमाम लोगों की यह स्पष्ट धारणा है कि इनके पीछे सिर्फ राजनैतिक एजेंडा छिपा है। अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में सरकार के असमान कार्य और आचरण से जुड़ी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों का भी विशेष उल्लेख किया है।

उन्होंने इसे भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्षता के मौलिक सिद्धांत तथा अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन बताते हुए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से इस प्रकरण में हस्तक्षेप करते हुए राज्य में संवैधानिक मर्यादाओं को पूर्ण रूप से स्थापित कराने का अनुरोध किया है। यह जानकारी डॉ नूतन ठाकुर पदाधिकारी आजाद अधिकार सेना ने दी है।

कांस्टेबल ने जयपुर-मुंबई ट्रेन में की अंधाधुंध फायरिंग, एएसआई समेत चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर में जयपुर-मुम्बई एक्सप्रेस ट्रेन में एक आरपीएफ कांस्टेबल ने अपने सीनियर एएसआई पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में एएसआई और 3 अन्य यात्रियों की गोली लगने से मौत हो गई। चेतन नाम के कांस्टेबल ने फायरिंग की। जिसे मीरा रोड से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरपीएफ जवान द्वारा फायरिंग करने की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। मामले की जांच चल रही है। पश्चिमी रेलवे ने बताया कि पालघर स्टेशन पार करने के बाद एक आरपीएफ कांस्टेबल ने चलती जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन के अंदर गोलीबारी की। एक आरपीएफ एएसआई और तीन अन्य यात्रियों को गोली मारने के बाद आरोपी दहिसर स्टेशन के पास ट्रेन से बाहर कूद गया।

कांस्टेबल और एएसआई में हुई थी कहासुनी

घटना सोमवार सुबह करीब 5 बजे के करीब को घटी। ट्रेन के क्र5 कोच में यह फायरिंग हुई। फायरिंग में 4 लोगों को गोली लगने से मौत हो गई। हालांकि फायरिंग होने की वजह का अभी पता नहीं चला है, लेकिन बताया जा रहा है कि आरपीएफ कांस्टेबल और उसके सीनियर एएसआई में किसी बात को लेकर तनातनी और कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद कांस्टेबल ने गुस्से में आग बबूला होकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। फायरिंग पालघर और मुंबई के बीच दहिसर इलाके में ट्रेन में हुई। आरपीएफ कांस्टेबल चेतन को मानसिक तनाव में बताया जा रहा है।

रेलवे अधिकारी जांच में जुटे

मुंबई में डीआरएम नीरज वर्मा ने बताया कि सुबह छह बजे के करीब हमें सूचना मिली कि आरपीएफ जवान ने फायरिंग की है, जिसमें चार लोगों की मौत हुई। आरोपी कांस्टेबल एस्कोर्ट ड्यूटी पर तैनात था। रेलवे अधिकारी

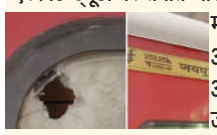

मौके पर मौजूद हैं और घटना की आगे की जांच की जा रही है। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। मृतकों के परिजनों को मुआवजे का एलान किया जाएगा। आरपीएफ आईजी प्रवीण सिन्हा ने घटना को लेकर बताया कि वह (चेतन कुमार चौधरी) थोड़ा गरम खून था. दोनों के बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ था। आपा खोने की वजह से उसने अपने सीनियर एएसआई टीका राम मीणा पर गोली चलाई, फिर जो दिखा उसपर गोली चला दी।

मणिपुर की पीड़ित महिलाएं सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं

केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ दी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में निर्वस्त्र घुमाई गई पीड़ित दो महिलाओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। दोनों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ अपील की है। इसमें क्या कहा है, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ की बेंच सुनवाई कर रही है।

उधर, आदिवासी इलाकों में अलग प्रशासन की मांग को लेकर कुकी महिलाओं ने नेशनल हाईवे नंबर 102 को पिछले पांच दिन से जाम कर रखा है। कुकी संगठनों की हजारों महिलाओं ने टेंग्नोउपाल में सेना के दस वाहनों को मोरेह जाने से रोक दिया। जिसके बाद सैनिकों को एयरलिफ्ट कर मोरेह भेजना पड़ा।नेशनल हाईवे 102 इंफाल को म्यांमार सीमा से सटे मोरेह से जोड़ता है। कुछ दिन पहले म्यांमार से मणिपुर में 718 अवैध प्रवासी इसी रास्ते से घुसे थे। सरकार अब अवैध प्रवासियों की बायोमीट्रिक काउंटिंग करा रही है।

बिष्णुपुर में फिर हिंसा 9 साल की छात्रा गोली लगने से घायल

मणिपुर के बिष्णुपुर में रविवार (30 जुलाई) को फिर हिंसा भड़क गई। क्वाक्ता गांव में कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों में फायरिंग से 9 साल की छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। चुराचांदपुर में भी हिंसा की घटनाएं हुईं।

मणिपुर गवर्नर से मिलकर दिल्ली लौटे 'इंडिया' के 21 सांसद

मणिपुर दौरे से लौटे विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद में अपनी रिपोर्ट इंडिया के लीडर्स को सौंपी। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि इंडिया पार्टी के नेताओं की एक बैठक हो रही है। मणिपुर का दौरा करने गए प्रतिनिधिमंडल ने मणिपुर में जो कुछ भी देखा, उसके बारे में जानकारी दी जाएगी। अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, लेकिन पीएम मोदी संसद में आने के लिए तैयार नहीं हैं। मणिपुर गए इंडिया के सांसदों में शामिल फूलो देवी ने बताया कि पीड़ित कह रहे हैं कि पुलिस मौजूद है, लेकिन वो कुछ कर नहीं रही।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।